दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अक्टूबर-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अक्टूबर-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

October-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	02.10.2023 सोमवार	महाविद्यालय	गॉधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जयंती पर कार्यक्रम	1
2	02.10.2023 सोमवार	महाविद्यालय	श्रद्धांजलि समारोह	2
3	04.10.2023 बुधवार	संस्कृत विभाग एवं हिन्दी विभाग	दस दिवसीय सरल संस्कृत परिचय शिविर का आयोजन	3
4	05.10.2023 वृहस्पतिवार	राजनीति विज्ञान विभाग	कार्यशाला का आयोजन	4
5	05.10.2023 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	5
6	05.10.2023 वृहस्पतिवार	बी.एड. विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	6
7	06.10.2023 शुक्रवार	भूगोल विभाग	राष्ट्रीय वन जीवन सप्ताह पर कार्यक्रम का आयोजन	7
8	07.10.2023 शनिवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	8
9	07.10.2023 शनिवार	गणित विभाग	अतिथि व्याख्यान	9–10
10	09.10.2023 सोमवार	मनोविज्ञान विभाग	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	10–11
11	11.10.2023 बुधवार	राजनीति विज्ञान विभाग	स्वागत समारोह	11–12
12	12.10.2023 वृहस्पतिवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	कार्यशाला	12–13
13	17.10.2023 मंगलवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	कार्यशाला	13
14	17.10.2023 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	कार्यशाला	14
15	18.10.2023 बुधवार	राजनीति विज्ञान विभाग	कार्यशाला	15
16	18.10.2023 बुधवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	कार्यशाला	16
17	19.10.2023 वृहस्पतिवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	कार्यशाला	17

October-2023

18	20.10.2023 शुक्रवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	कार्यशाला	18
19	23.10.2023 सोमवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन	19–20
20	31.10.2023 मंगलवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन	20

October-2023

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जयंती के अवसर पर कार्यक्रम

दिनांक 02 अक्टूबर 2023 को महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि महात्मा गाँधी एक आध्यात्मिक संत थे, जिन्होंने जीवनपर्यन्त मानवता की सेवा करते हुए यह कहा कि समाज सेवा से बड़ा कोई धर्म नही होता। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी का नेतृत्व अहिंसक आन्दोलनों का प्रेरणा रहा है। उन्होंने असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन जैसे अखिल भारतीय आन्दोलन में अहिंसा को ही केन्द्र में रखा है। दुनियाभर में नागरिक अधिकारों व सामाजिक परिवर्तन के लिए भी उनके विचारों को समझा गया और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्था में उनके जन्म दिवस 02 अक्टूबर को अन्तरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया। यह संकल्प अहिंसा के सिद्धान्त की सार्वभौमिक प्रासंगिकता शान्ति व सहिष्णुता को सुरक्षित करने की पुष्टि करता है। लाल बहादुर शास्त्री सादगी की प्रतिमूर्ति थे जो सच्चे राष्ट्रभक्त तथा सामाजिक समरसता और समानता के पुजारी थे इन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा देकर राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार सिंह ने किया तथा कार्यक्रम का आभार ज्ञापन महाविद्यालय के पूर्वी परिसर प्रभारी प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

October 2023

श्रद्धांजलि समारोह

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2023 को महाविद्यालय में **युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54वीं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन** किया गया। इस अवसर पर **मुख्य अतिथि प्रो. आद्या प्रसाद द्विवेदी, पूर्व कला संकाय अधिष्ठाता, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर थे।** मुख्य अतिथि अपने उद्‌बोधन में कहा कि दिग्विजयनाथ जी महाराज हिन्दू धर्म एवं संस्कृति के सजग प्रहरी थे। उन्होंने गुरु गोरक्षनाथ मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक गरिमा और हिन्दू संस्कृति की रक्षा की।

दिग्विजयनाथ जी महाराज के योग्य उत्तराधिकारी व शिष्य ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज ने उनकी परम्परा को आगे बढ़ाया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में गोरखपुर से संसद सदस्य बनकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे सामाजिक समरसता के प्रतीक थे तथा उन्होंने छुआछूत व साम्प्रदायिक भावनाओं को दूर करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का **संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्र ने किया तथा अध्यक्षीय उद्‌बोधन व आभार ज्ञापन प्रो. धीरेन्द्र सिंह, कला संकाय प्रभारी ने** किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

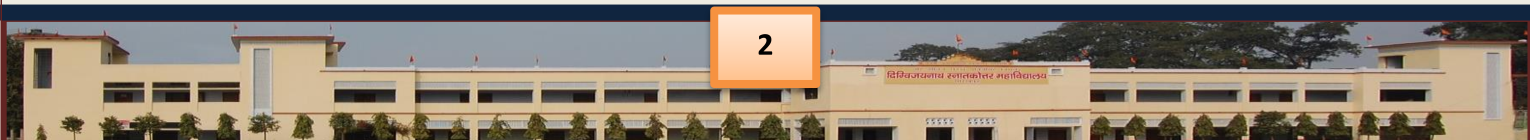

दस दिवसीय सरल संस्कृत परिचय शिविर समारोह का उद्घाटन

दिनांक 04.10.2023 संस्कृत विभाग, साहित्यार्चन हिन्दी विभाग तथा संस्कृत भारती गोरक्षप्रांत के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय सरल संस्कृत परिचय शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक डॉ. प्रकाश झा, प्रान्त संगठन मंत्री, संस्कृत भारती थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, संस्कृत भाषा पर ही आधारित है। हमारे सभी संस्कार, आचार, विचार व व्यवहार संस्कृति के परिचायक है जो संस्कृत भाषा के माध्यम से ही सम्पादित किये जाते है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि भारत की** ज्ञान परम्परा जिस भाषा में संजोयी हुई है वह संस्कृत है। संस्कृत भाषा सम्पूर्ण मानव जाति को जीवन का आदर्श सिखाती है और विश्व की सभी भाषाओं का दिग्दर्शन कराती है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग एवं आभार ज्ञापन डॉ. विभा सिंह ने किया। उक्त अवसर पर सहायक प्रशिक्षक अमीषा गिरी, अंजली त्रिपाठी, डॉ. दिनेश मौर्य, डॉ. पवन पाण्डेय, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. अदिति दुबे, श्री अंकित पाण्डेय सहित प्रशिक्षु विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का आयोजन

'फील्ड वर्क इन पॉलिटिकल साइंस' दिनांक 05.10.2023 को **राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह के निर्देशन में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'फील्ड वर्क इन पॉलिटिकल साइंस' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।** आयोजित कार्यशाला में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में फील्ड वर्क ट्रेडिशन इन सोशल साइंसेज़ के अंतर्गत विद्यार्थियों से शोध कार्य के विविध आयामों पर संवाद किया। जिसमें शोध डिजाइन, शोध समस्या, रिव्यू ऑफ लिट्रेचर, शोध के उद्देश्य, उपकल्पना, शोध पद्धति, तथ्य संकलन, तथ्य संकलन विधियाँ व स्रोत, तथ्यों का विश्लेषण, निष्कर्ष एवं सुझाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम विद्यार्थी को शोध समस्या का चयन करना चाहिए। शोध समस्या चयन करते समय यह ध्यान देना है कि चयनित समस्या का प्रभाव व्यापक हो, प्रासंगिक हो और उसके समाधान से एक बड़ा समूह लाभान्वित हो रहा हो।

फील्ड वर्क में मुख्य रूप से अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली व अनुसूची विधि का प्रयोग कर तथ्य संकलन करना चाहिए। कार्यशाला में विद्यार्थियों की फील्ड वर्क/शोध कार्य सम्बंधी जिज्ञासा व समस्याओं का समाधान भी किया गया।

उक्त कार्यशाला में विभाग के सभी प्राध्यापक डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. अखिल श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, श्री वर्धन त्रिपाठी, और बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यूथ पावर एसोसिएशन पर गोरखपुर के साथ हुआ हस्ताक्षर

दिनांक 05.10.2023 को महाविद्यालय एवं यूथ पावर एसोसिएशन गोरखपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। प्रो. ओमप्रकाश सिंह, प्राचार्य दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज एवं श्री शिव प्रसाद शुक्ल, अध्यक्ष, यूथ पावर एसोसिएशन की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, इंटरप्रेन्योरशिप, स्टार्टअप के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा एवं विद्यार्थियों को कैरियर परामर्श के माध्यम से प्रेरित करते हुए उन्हें कैंपस चयन का भी अवसर उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर प्राचार्य ने महाविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की टीम एवं करियर काउंसलिंग के संयोजक डॉ विवेकानन्द शुक्ल को बधाई दिया। इस अवसर पर मुख्य नियंता प्रो धीरेंद्र सिंह, डॉ विवेक शाही, डॉ शैलेश सिंह, डॉ पवन पाण्डेय सहित यूथ पॉवर एसोसिएशन के नुक्कड़ नाटक इंचार्ज सार्थक शुक्ल एवं सदस्य दीपक कुमार यादव उपस्थित रहे।

बी.एड. प्रथम सेमेस्टर हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

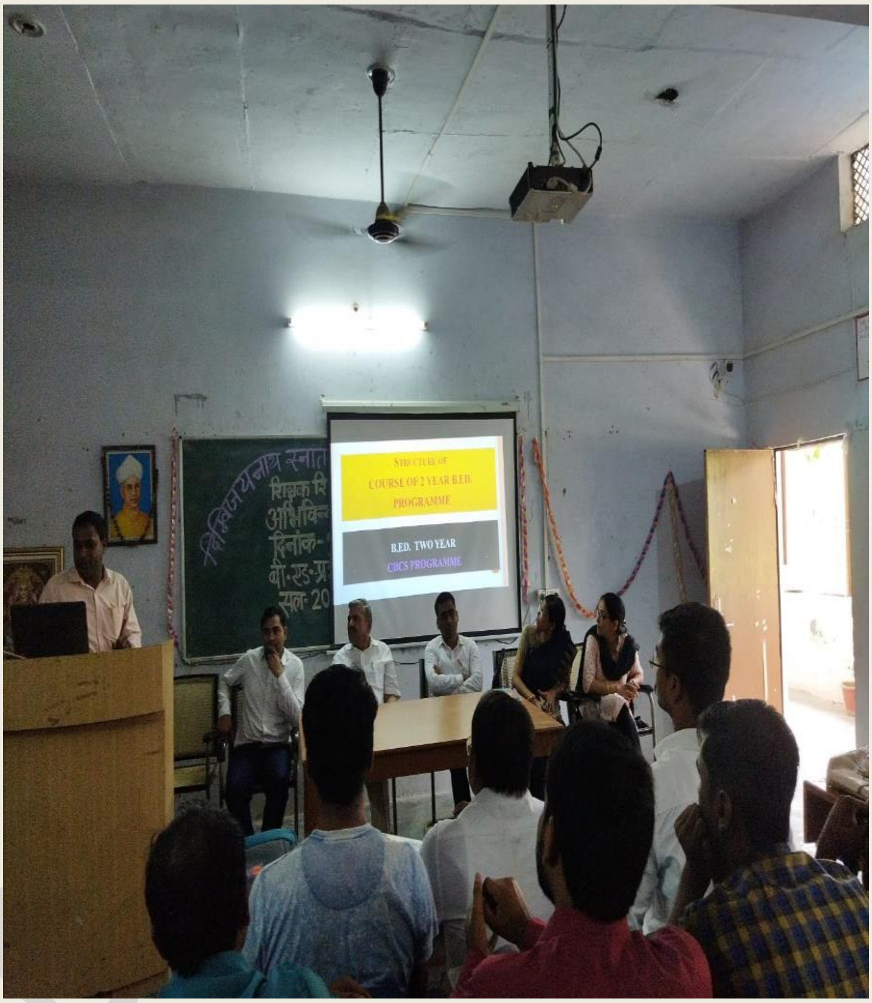

दिनांक 05.10.2023 को महाविद्यालय के शिक्षण–प्रशिक्षण विभाग में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर सत्रः 2023–24 के विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी. एड. प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय एवं विभाग के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें संपूर्ण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। नवप्रवेशित प्रशिक्षुओं को बी.एड. /सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम, अधिन्यास, प्रोजेक्ट कार्य तथा पूरे पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित होने वाले समस्त शैक्षिक गतिविधियों से अवगत कराया गया। **सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ सुभाष चंद्र के द्वारा पीपीटी के माध्यम से किया गया। विभाग के प्रभारी प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार तिवारी ने प्रशिक्षुओं को अनुशासन में रहते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अभिप्रेरित किया। प्रो. (डॉ) शुभ्रा श्रीवास्तव ने एक प्रशिक्षु शिक्षक के गुणों एवं उनके दायित्वों पर चर्चा करते हुए उन्हें एक अच्छा प्रशिक्षु बनने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।**

राष्ट्रीय वन जीव सप्ताह पर कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 06.10.2023 को राष्ट्रीय वन जीव सप्ताह (1 से 7 अक्टूबर) के अंतर्गत हेरिटेज फाउण्डेशन एवं महाविद्यालय के भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश कुमार मौर्य ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह रहे। कार्यक्रम के संयोजक श्री जितेंद्र कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम की रूप–रेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वन्य जीव सप्ताह की शुरुआत 1952 में की गयी। 1957 से यह एक सप्ताह के रूप में मनाया जाने लगा। वन्य जीव की सुरक्षा तथा संरक्षण करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रहा। आभार ज्ञापन डॉक्टर अस्मिता अग्रवाल संरक्षिका हेरिटेज फाउण्डेशन ने किया। कार्यक्रम के सूत्रधार श्री राजीव दत्त पांडे एडिटर हिन्दुस्तान द्वारा किया गया। इस अवसर पर इन्होंने वन्य जीव संरक्षण पर जोर दिया तथा कहा कि यदि मानव को अपना अस्तित्व बचाना है तो पर्यावरण को प्रदूषित करने से रोकना होगा। इस अवसर पर नेशनल फोटोग्राफी चैनल पर प्रसारित शो 'स्नेक एसवोएस पायथन' एवं हिमांचल प्रदेश के कांगणा जिले में व्यास नदी पर बने पोंग बाँध पर बनी डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया।

वायुसेना दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 07.10.2023 को महाविद्यालय में वायु सेना दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि भारत सैनिक शक्ति के रूप में तीव्र गति से आगे बढ रहा है। भारत अपनी वायु शक्ति के विकास पर तेजी से गतिशील है हाल के वर्षों में भारत ने अपनी वायु सेना के स्वदेशीकरण पर भी काफी जोर दे रहा है।

उक्त कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया तथा स्वागत एवं आभार ज्ञापन डॉ. विकास कुमार पाठक ने किया। इस कार्यक्रम में विभाग सभी छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

मैपल सॉफ्टवेयर का गणित में उपयोग तथा गणित का दैनिक जीवन में उपयोग विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 07.10.2023 को महाविद्यालय गोरखपुर में गणित विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका में विषय पर ''मैपल सॉफ्टवेयर का गणित में उपयोग तथा गणित का दैनिक जीवन में उपयोग'' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष गणित एवं कंप्यूटिंग साइंस, मदन मोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय थे। उन्होने अपने उद्बोधन कहा कि हमारा आधुनिक विश्व गणित द्वारा संचालित है। गणित ने कृषि उपज को अधिकतम करने से लेकर स्थायी वस्तुओं का आविष्कार करने से लेकर अंतरिक्ष यान लान्च करने तक, गणित हमें अधिक सुरक्षित, अधिक कुशल, अधिक आविष्कारशील बनाकर हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि गणित की शुरुआत वैदिक काल से हो चुका था। मनुष्य जन्म से ही गणित से जुड़ जाता है।**

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. सूरज कुमार शुक्ल, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग ने बताया कि अगर मनुष्य के ब्लड वैसेल्स को आपस में जोडा जाए तो इसकी लम्बाई से पूरे पृथ्वी को दो से

ज्यादा बार लपेटा जा सकता है तथा पल्मोंनरी कैपिंलरी को आपस में जोड़ने से कश्मीर से कन्याकुमारी तक बिछाया जा सकता है।

कार्यक्रम के पुरस्कार वितरण सत्र में गणित विषय में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित माधवन मैथमेटिकल टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट देकर मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य ने उत्साह बर्धन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों वैभवी त्रिपाठी, शिवांगी पाठक, आदर्श कुमार गुप्ता, कृतिका पाण्डेय, सोनाली बाजपेयी को प्रमाण पत्र दिया गया। अतिथि सहित सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरविन्द तिवारी ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 09.10.2023 को महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के संयोजकत्व में ''मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता'' विषय पर आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय जौनपुर थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक दोनों स्तरो पर स्वस्थ होना आवश्यक है। सामाजिक टिप्पणियों से व्यक्ति अकेलापन महसूस करने लगता है और समाज की मुख्य धारा से कट जाता है। **कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुशील**

तिवारी पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज गोरखपुर थे। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि कभी–कभी व्यक्ति सामान्य दशा से विचलित हो जाता है और उसमें मानसिक विकार उत्पन्न हो जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के अन्तर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति अन्तर्निहित क्षमता को बेहतर तरीके से समझे, अपने कार्य को करने में लाभकारी तरीके से समूह के प्रति योगदान करे। **मुख्य वक्ता डॉ. शीला सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान ने कहा कि जब हम अपने** दायित्वों का सही ढ़ंग से निर्वहन नहीं कर पाते हैं तो मानसिक विकार की दशा उत्पन्न होती है। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा सतत होनी चाहिए तभी इस दिशा में बेहतर व सकारात्मक लाभ मिल सकेगे। मानसिक रोगों के अनेक कारणों में भाषा भी प्रमुख है, इसलिए भाषा में परिष्कार व परिवर्तन होना चाहिए। जीवन में जब उद्देश्य होता है तब आत्महत्या जैसी स्थिति का प्रश्न ही नहीं होता है इसलिए सैद्धान्तिक शिक्षा के साथ ही अनुभवपरक शिक्षा की अत्यन्त आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मनुष्य की इच्छाएँ अनन्त हैं इसलिए सुख व दुःख मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है। **उक्त कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विवेक शाही, प्रभारी मनोविज्ञान विभाग ने एवं संचालन अभिजीत शर्मा ने किया।**

स्वागत समारोह का आयोजन

दिनांक 11.10.2023 को महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा सर्वप्रथम भारत सरकार के एक भारत–श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को प्रदर्शित करते हुए इस योजना से जुड़े विभिन्न राज्यों गुजरात, राजस्थान, असम, मेघालय, अरुणाचल, पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश एवं कश्मीर के लोक नृत्यों की प्रस्तुति करते हुए साँस्कृतिक एकता को प्रदर्शित किया। इसके उपरांत क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से मिस्टर फ्रेशर श्रीकांत प्रजाति एवं मिस फ्रेशर प्रियंका यादव को चुना गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप लक्ष्य का चयन करना चाहिए और समय का सकारात्मक सदुपयोग करना चाहिए। **कार्यक्रम का संचालन एम. ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा श्रेया चंद एवं प्रिया पाण्डेय द्वारा किया गया।**

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता प्रो धीरेन्द्र सिंह के साथ ही विभाग के सभी प्राध्यापक श्री इंद्रेश पाण्डेय, डॉ शैलेश कुमार सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ अखिल श्रीवास्तव एवं श्रीवर्धन त्रिपाठी एवं एम.ए. राजनीति विज्ञान के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 12.10.2023 को **महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा योग एवं समग्र स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।** कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दौर विनिमय का दौर है। योग को कभी ऋषि मुनि से जुड़ा हुआ माना जाता था परन्तु आज यह जनमानस में व्याप्त है। हमारे यहां योग दर्शन प्राचीन परम्परा है। वर्तमान भौतिक परिवेश में हमें अपना जीवन सुख पूर्वक जीने हेतु योगाभ्यास को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शोध और शिक्षा की गुणवत्ता को बढाने के क्रम में **महाविद्यालय ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कुशीनगर के साथ समझौता/ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किया। समझौता/ज्ञापन के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण**

संस्थान, कुशीनगर प्राचार्य के प्रतिनिधि के तौर पर प्रवक्ता श्री वेद शंकर गुप्ता उपस्थित रहें। श्री गुप्ता ने कहा कि यह समझौता/ज्ञापन शिक्षा शास्त्र विभाग व बी.एड विभाग के लिए बेहद लाभकारी रहेगा।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक श्री अवधेश शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितीश शुक्ला द्वारा किया गया।

योग कार्यशाला का चतुर्थ दिवस

दिनांक 17.10.2023 को शारीरिक शिक्षा विभाग एवं क्रीड़ा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय योग कार्यशाला के चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रोफेसर माता प्रसाद खेमका एक्युप्रेशर कालेज, प्रयागराज थे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मर्म चिकित्सा आयुर्वेद का महत्वपूर्ण भाग है। मर्म चिकित्सा में 107 केन्द्रों का उपयोग किया जाता है, जो की शरीर में चेतना का द्वार है। 22 केन्द्र शरीर के निचले हिस्से पर, 22 केन्द्र भुजाओं पर, 12 छाती और पेट पर, 14 पीठ पर तथा 37 केन्द्र सिर व गर्दन पर होते हैं। इस चिकित्सा में केन्द्रों पर हल्की संवेदना की जाती है जो की शरीर की बाधित उर्जा को समाप्त कर शारीरिक व मानसिक आराम पहुँचाता है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि बौद्ध धर्म के भिक्षु जहाँ गये वहाँ पर मर्म चिकित्सा को लेकर गये।

रिसर्च प्रोजेक्ट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 17.10.2023 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में वाणिज्य विभाग के शिक्षकों द्वारा रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार करने की विधि पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया, जिसमें मुख्य रूप से डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा पी. पी.टी. के माध्यम से शोध प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया को उदाहरण सहित प्रस्तुत किया गया। डॉ. अभय कुमार मालवीय ने शोध प्रस्ताव के सिद्धांत एवं व्यावहारिक पक्ष की व्याख्या की तथा वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ संजीव कुमार सिंह द्वारा माइनर और मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर की व्याख्या की गयी तथा प्रोजेक्ट के निष्कर्ष से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया गया। डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने रिसर्च प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के बारे में बताया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 18.10.2023 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान) के विद्यार्थियों हेतु नेट/जे आर एफ परीक्षा की सफलता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सर्वप्रथम नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा से संबंधित आधारभूत तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने नेट/जे आर एफ परीक्षा से संबंधित शैक्षिक योग्यता, परीक्षा के पैटर्न, पाठ्यक्रम एवं सफलता की रणनीति पर विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम परीक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का गहनता से अध्ययन एवं विश्लेषण कर लेना चाहिए, ताकि प्रश्नों की प्रकृति एवं उनके कठिनाई स्तर की समझ विकसित हो जाए। सफलता का मूलमंत्र निरंतर अभ्यास है इसलिए विद्यार्थियों को तथ्यपरक एवं अवधारणाओं पर पूछे गए प्रश्नों का निरंतर अभ्यास करना चाहिए । उक्त अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ शैलेश कुमार सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, श्री वर्धन तिवारी सहित सभी छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

योग कार्यशाला का पंचम दिवस

दिनांक 18.10.2023 को शारीरिक शिक्षा विभाग एवं क्रीड़ा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय योग कार्यशाला के पंचम दिवस में मुख्य अतिथि प्रो. विजय चहल, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होने कहा कि सूर्य नमस्कार भारत की प्राचीन विरासत है और ये ऋषि–मुनियों द्वारा दी गयी वह दिव्य अनुदान व वरदान है, जिसे जीवन में अपनाकर हम सभी समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने सूर्य नमस्कार को सभी 12 आसन, 12 मंत्र, उसके करने की ढंग उसके वैज्ञानिक सिद्धांत को स्पष्ट किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने सूय नमस्कार भारत की प्राचीन धरोहर है और यह व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास करती है। इसे सभी लोग अपने जीवन में अपनाये, इस बात का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम का संचालन श्री अवधेश कुमार शुक्ल द्वारा एवं आभार ज्ञापन डॉ. हिमांशु यादव द्वारा किया गया।

October-2023

योग कार्यशाला के छठवें दिवस

दिनांक 19.10.2023 को **शारीरिक शिक्षा विभाग एवं क्रीड़ा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय योग कार्यशाला के छठवें दिवस** के प्रथम सत्र में **मुख्य अतिथि डॉ. अश्वनी कुमार राय, एसोसिएट प्रोफेसर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के विभागाध्यक्ष पी.एच.एम.सी.एच. पटना** थे। उन्होने कहा कि योग आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। अपने जीवन–व्यवहार को सुनियोजित करना ही आध्यात्मिक स्वास्थ्य है। अध्यात्म आत्मा का विज्ञान है। अध्यात्म के मार्ग पर चल रहे व्यक्ति शारीरिक पीड़ा, भय, चिंता, अहंकार, क्रोध, घृणा, प्रतिशोध आदि से मुक्त हो जाता है, जिससे वह शक्तिशाली महसूस करता है। योग अन्तर्मन की शुद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भौतिक जगत के भागम भाग भरे जीवन शैली में प्रत्येक व्यक्ति तनाव, चिन्ता, अकेलापन व आकांक्षाओं से ग्रसित है। **कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितीश शुक्ल द्वारा एवं आभार ज्ञापन श्री अवधेश कुमार शुक्ल द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. सरिता सिंह,** सहित प्रशिक्षु विद्यार्थी उपस्थित रहें।

योग कार्यशाला का समापन

दिनांक 20.10.2023 को **शारीरिक शिक्षा विभाग एवं क्रीड़ा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सप्तदिवसीय योग कार्यशाला के समापन व प्रमाण–पत्र वितरण कार्यक्रम** में **मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य व सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर थे। उन्होने कहा कि** योग चिकित्सा विज्ञान का एक आयाम है। योग का शाब्दिक अर्थ जोड़ है। योग मन को आत्मा से जोड़ता है। योग हमारे स्वस्थ जीवन हेतु बहुत लाभकारी है। योगाभ्यास से मन शान्त रहता है। योग उच्च रक्त चाप, हृदय रोग, कैन्सर जैसी बड़ी बीमारियों को रोकने में सहायक है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में योग सकारात्मकता का संचार कर सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। निश्चित ही यह योग कार्यशाला विद्यार्थियों में एकाग्रता, धैर्य, मनोबल, शारीरिक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगी।

प्रतियोगिता का विवरण व आभार ज्ञापन देते हुए श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने बताया कि इस सप्तदिवसीय योग कार्यशाला में कुल 275 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जिनमें से 185 विद्यार्थी 80 प्रतिशत उपस्थिति के साथ प्रमाण पत्र हेतु योग्य पाये गये।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 23.10.2023 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र की स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर ''संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान उपादेयता'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर तथा दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के स्नातक स्तर के 41 पंजीकृत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता प्रथम स्थान संयुक्त रूप से अर्जुन बी.ए. प्रथम वर्ष, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर तथा आकृति सिंह बी.ए. द्वितीय वर्ष, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने प्राप्त किये। द्वितीय स्थान अमित सिंह बी.ए. द्वितीय वर्ष, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर तथा तृतीय स्थान आंचल चौधरी बी.ए. प्रथम वर्ष, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में प्रो. हरीशरण, पूर्व प्रति कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा डॉ. के.के. यादव, पूर्व प्राचार्य, बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीपीगंज, गोरखपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, भाषण कला, नेतृत्व क्षमता तथा प्रस्तुतीकरण की कला का विकास होता है। **कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम**

प्रसाद यादव ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग विषय के सहायक आचार्य डॉ. शुभांशु शेखर सिंह ने किया। प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों ने प्रमाण–पत्र प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक सिंह, श्री विवेक विश्वकर्मा, श्री विकास कुमार पाठक, श्री इंद्रेश कुमार पांडे तथा श्रीवर्धन त्रिपाठी और महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 31.10.2023 को महाविद्यालय में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार थे। आज के तिथि को दो कारणों से जाना जाता है। पहला कारण भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल का जन्म दिवस है और दूसरा, इस दिन हम भारत की अखंडता का जश्न मनाते हैं, जैसा कि सरदार पटेल ने कल्पना की थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो शशि प्रभा सिंह ने, कार्यक्रम का संचालन डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, स्वागत प्रो धीरेन्द्र सिंह एवं आभार ज्ञापन प्रो परीक्षित सिंह ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक प्रो अर्चना सिंह, प्रो नित्यानंद श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

October-2023